पाठ - 13

श्याम - पट्ट

विधा - आत्मकथा

प्रश्न-1 शब्दार्थ लिखिए -

(1) उपस्थिति - हाजिरी
(2) जनक - पिता
(3) उत्तीर्ण - पास
(4) तत्पर - तैयार
(5) अनिवार्य - जरूरी
(6) क्रोध - गुस्सा
(7) सम्मुख - सामने
(8) अबोध - नासमझ
(9) संवाद - बातचीत
(10) प्रेरणा - सीख
(11) डस्टर - झाड़न
(12) उपयोग - लाभ
(13) परिवर्तन - बदलाव
(14) कष्ट - दुख

प्रश्न - उत्तर

प्र० 1 श्यामपट्ट किसकी संतान है?

उत्तर- श्यामपट्ट वृक्षों की संतान है।

प्र० 2 श्यामपट्ट को अन्य किन रंगों में परिवर्तित किया गया है?

उत्तर- श्यामपट्ट को अन्य हरे व सफेद रंगों में परिवर्तित किया गया है।

प्र० 3 श्यामपट्ट की उन्नति किस प्रकार हुई?

उत्तर- श्यामपट्ट लकड़ी के तख्ते की जगह सीमेंट का बनने लगा। इस प्रकार श्यामपट्ट की उन्नति हुई।

प्र० 4 श्यामपट्ट को कब कष्ट होता है?

उत्तर- श्यामपट्ट को तब कष्ट होता है जब शरारती छात्र उसके तन को तोड़-फोड़ करते हैं।

प्र० 5 श्यामपट्ट का जीवन कैसा है?

उत्तर- श्यामपट्ट का जीवन मनुष्यों जैसा है।

प्रश्न - उत्तर

प्र० 1 कक्षा के कमरे में किसकी उपस्थिति अनिवार्य बनी रहती है?

उत्तर- कक्षा के कमरे में श्यामपट्ट की उपस्थिति अनिवार्य

बनी रहती है।

प्र०२ संवाद का मंच कौन होता है?

उत्तर- शिक्षक और विद्यार्थी के संवाद का मंच श्याम-पट्ट होता है।

प्र० ३ श्यामपट्ट का जन्म कैसे हुआ?

उत्तर- श्यामपट्ट का जन्म लकड़ी के तख्तों से हुआ।

प्र० 4 श्यामपट्ट के सेवक कौन हैं?

उत्तर- श्यामपट्ट के सेवक चॉक और डस्टर हैं।

प्र० 5 श्यामपट्ट को खुशी कब होती है?

उत्तर- श्यामपट्ट को खुशी तब होती है जब किसी बच्चे को पूछे गए प्रश्न का उत्तर याद आ जाता है और वह सही उत्तर श्यामपट्ट पर लिख देता है।

(ग) श्यामपट्ट का जन्म कैसे हुआ?

(घ) श्यामपट्ट के सेवक कौन हैं?

(ङ) श्यामपट्ट को खुशी कब होती है?

2. सही उत्तर पर (✓) का निशान लगाओ-

MCQ (बहुविकल्पीय प्रश्न)

(क) प्राचीन काल में श्यामपट्ट **लकड़ी** [✓] **कागज़** [ ] का होता था।

(ख) पहले छोटी-छोटी तख्तियों पर **लिखावट** [✓] **पेंटिंग** [ ] का काम होता था।

(ग) श्यामपट्ट को **काले** [✓] **लाल** [ ] रंग से पोता जाता है।

(घ) श्यामपट्ट को **ब्लैकबोर्ड** [✓] **रेड-बोर्ड** [ ] कहते हैं।

(ङ) श्यामपट्ट पर **चॉक** [✓] **कलम** [ ] से लिखा जाता है।

3. जोड़े मिलाओ-

(क) विद्यार्थी जीवन में बहुत उपयोगी है।	परोपकारी 3
(ख) श्यामपट्ट पर नहीं लिखना चाहिए।	अर्पित 4
(ग) मैं शिक्षकों के लिए उपयोगी और विद्यार्थियों के लिए हूँ।	काले रंग से 5
(घ) मेरा जीवन सेवा के लिए है।	श्यामपट्ट 1
(ङ) मेरा शृंगार किया जाता है।	अपशब्द 2

4. दिए गए शब्दों से वाक्य बनाओ-

अनिवार्य - कक्षा में श्यामपट्ट की उपस्थिति अनिवार्य रहती है।

दिलचस्प - श्यामपट्ट की कहानी बड़ी दिलचस्प है।

सम्मान - हमें अच्छे लोगों का सम्मान करना चाहिए।

परोपकारी - परोपकारी सदा आदर का पात्र होता है।

अर्पित - हमारी सेवाएँ आपको अर्पित हैं।

भाषा कौशल

1. जो शब्दांश शब्दों के अंत में लगकर उनके अर्थ में विशेषता उत्पन्न कर देते हैं अथवा उनके अर्थ को बदल देते हैं, उन्हें प्रत्यय कहते हैं। जैसे- पढ़ शब्द में यदि आई प्रत्यय जोड़ दें तो शब्द बनता है- पढ़ाई।

इसी प्रकार, नीचे दिए गए शब्दों में 'आई' प्रत्यय लगाकर शब्द बनाओ-

लिख - लिखवाई
मीठा - मिठाई
दिख - दिखवाई
चढ़ - चढ़ाई
भला - भलाई
कढ़ - कढ़ाई

2. योजक शब्द से दो वाक्य जोड़कर एक वाक्य बनाओ और दी गई जगह में लिखो-

(क) यद्यपि छात्र होशियार है
(ख) मुझे कष्ट होता है
(ग) शरारती छात्र तोड़-फोड़ करते हैं
(घ) विद्यार्थी परीक्षा में उत्तीर्ण हो जाते हैं
(ङ) मैं परोपकारी हूँ

क्योंकि
इसलिए
जबकि
तथापि
और

कक्षा छोड़कर चले जाते हैं।
वह उत्तीर्ण न हो सका।
छात्र मुझ पर अपशब्द लिख देते हैं।
होशियार छात्र सुंदर अक्षर लिखते हैं।
सब कुछ सहन करता हूँ।

(क) यद्यपि छात्र होशियार है तथापि वह उत्तीर्ण न हो सका।
(ख) मुझे कष्ट होता है क्योंकि छात्र मुझ पर अपशब्द लिख देते हैं।
(ग) शरारती छात्र तोड़-फोड़ करते हैं जबकि होशियार छात्र सुंदर अक्षर लिखते हैं।
(घ) विद्यार्थी परीक्षा में उत्तीर्ण हो जाते हैं इसलिए कक्षा छोड़कर चले जाते हैं।
(ङ) मैं परोपकारी हूँ और सब कुछ सहन करता हूँ।

रचनात्मक कौशल

'श्यामपट्ट' का विद्यार्थी जीवन में क्या महत्त्व है? लिखो-

प्रारंभिक कक्षाओं से लेकर पूरे विद्यार्थी जीवन में श्यामपट्ट का महत्व है। अध्यापक पढ़ाते समय सदैव श्यामपट्ट का उपयोग करते हैं। विषय कोई भी हो, श्यामपट्ट का प्रयोग तो अनिवार्य है। श्यामपट्ट का लाभ पूरी कक्षा एक साथ ले सकती है। शुद्ध लेखन से लेकर बड़ी-से-बड़ी समस्या का समाधान श्यामपट्ट पर सही ढंग से किया जा सकता है।